Total No. of Printed Pages—4

2 SEM TDC HINH (CBCS) C 4

2023

(May/June)

HINDI

(Core)

Paper : C–4

[आधुनिक हिन्दी कविता (छायावाद तक)]

Full Marks : 80
Pass Marks : 32

Time : 3 hours

The figures in the margin indicate full marks for the questions

1. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर पूर्ण वाक्य में दीजिए : 1×8=8

(क) 'कविवचन सुधा' पत्रिका के सम्पादक कौन थे?

(ख) 'प्रिय प्रवास' में कुल कितने सर्ग हैं?

(ग) यशोधरा कौन थी?

(घ) 'पथिक' खण्डकाव्य के रचयिता कौन हैं?

(ङ) 'कामायनी' महाकाव्य किसकी रचना है?

(च) निराला ने संध्या को क्या कहा है?

(छ) पंत का पूरा नाम लिखिए।

(ज) महादेवी किस वाद की कवयित्री हैं?

2. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिए : 3×4=12

(क) भारतेन्दु हरिश्चन्द्र का संक्षिप्त जीवन परिचय दीजिए।

(ख) 'जीवन संदेश' कविता का सारांश लिखिए।

(ग) 'ले चल मुझे भुलावा देकर' कविता में जयशंकर प्रसाद क्या कहना चाहते हैं?

(घ) पंत को प्रकृति का सुकुमार कवि क्यों कहा जाता है?

3. निम्नलिखित अवतरणों की सप्रसंग व्याख्या कीजिए : 8×4=32

(क) पढ़े संस्कृत जतन करि पंडित भे विख्यात।
पै निज भाषा ज्ञान बिन कहि न सकत एक बात॥
पढ़े फारसी बहुत विध तौहू भये खराब।
पानी खटिया तर रहो पूत मरे बकि आब॥

अथवा

खाते पीते गमन करते बैठते और सोते।
आते जाते वन-अवनि में गोधनों को चराते।
देते लेते सकल ब्रज की गोपिका-गोपजों के।
जी में होता उदय यह था क्या नहीं श्याम आये।

(ख) जाओ नाथ! अमृत लाओ तुम, मुझमें मेरा पानी।
चेरी ही मैं बहुत तुम्हारी, मुक्ति तुम्हारी रानी।
प्रिय तुम तपो, सहूँ मैं भरसक, देखू बस हे दानी—
कहाँ तुम्हारी गुण-गाथा में मेरी करुण कहानी।

अथवा

पैदा कर जिस देश जाति ने तुमको पाला-पोसा।
किए हुए हैं वह निज हित का तुमसे बड़ा भरोसा।
उससे होना उऋण प्रथम है, सत्कर्तव्य तुम्हारा।
फिर दे सकते हो वसुधा को शेष स्वजीवन सारा।

(ग) जो घनीभूत पीड़ा थी,
मस्तक में स्मृति सी छाई
दुर्दिन में आँसू बनकर
वह आज बरसने आई।

अथवा

वह हँसी बहुत कुछ कहती थी,
फिर भी अपने में रहती थी,
सबकी सुनती थी, सहती थी,
देती थी सबके दाँव बंधु।

(घ) युग कर्म शब्द, युग रूप शब्द, युग सत्य शब्द,
शब्दित कर भावी के सहस्र शत मूक शब्द,
ज्योतित जन मन के जीवन का अंधकार,
तुम खोल सकी मानव उर के निशब्द द्वार।

अथवा

बुझ गया वह नक्षत्र प्रकाश,
चमकती जिसमें मेरी आश,
रैन बोली सज कृष्ण दुकूल,
विसर्जन करो मनोरथ फूल,
न लाये कोई कर्णाधार।

4. निम्नलिखित में से किन्हीं **चार** प्रश्नों के उत्तर दीजिए : 7×4=28

(क) भारतेन्दु के भाषा-संबंधी विचारों को लिखिए।

(ख) रामनरेश त्रिपाठी पथिक को क्या संदेश देते हैं?

(ग) 'संध्या सुंदरी' कविता का सारांश लिखिए।

(घ) 'प्रियप्रवास' पर एक संक्षिप्त टिप्पणी लिखिए।

(ङ) 'प्रथम रश्मि' कविता का भावार्थ लिखिए।

(च) ''महादेवी वर्मा शून्यवाद से प्रभावित है।'' इस कथन की समीक्षा 'यह मंदिर का दीप इसे नीरव जलने दो' कविता के आधार पर कीजिए।

★★★